हिन्दू-धर्म के ज्ञान-मय क्रिया-पक्ष की शोध-पूर्ण प्रस्तुति

'कौल-कल्पतरु'

चण्डी

(सं० १९९६ वि०-सन् १९४२ ई० से प्रकाशित)

साधन-माला

कौल-कल्पतरु

चण्डी

'चण्डी' मासिक पत्रिका हमारे द्वारा ५२ वर्षों से प्रकाशित हो रही है। **'चण्डी'** मासिक पत्रिका का नया **५१ वाँ वर्ष,** अप्रैल ६२ से प्रारम्भ हुआ। **'चण्डी'** के नए ५१ वें वर्ष से **'साधन-माला'** नामक एक बहु-उपयोगी **प्रयोग-संग्रह** प्रकाशित हो रहा है। अप्रैल, ६२ से सितम्बर, ६३ तक के १८ अङ्कों में **१२१ 'कल्याणकारी प्रयोग'** प्रकाशित हो चुके हैं। इन प्रकाशित **१२१ प्रयोगों का विवरण** इस प्रकार है--

१ साधना-योग्य शरीर हेतु अनुभूत प्रयोग, २ नित्य-कर्म, ३ शान्ति - कर्म, ४ सर्व-सङ्कटहारी प्रयोग, ५ सर्वाभीष्ट-प्रद प्रयोग, ६ योग्य वर-प्राप्ति का प्रयोग, ७ सन्तान - प्राप्ति प्रयोग, ८ गप-शप विष-हर प्रयोग, ९ दीर्घ-आयु, सुख - शान्ति हेतु प्रयोग, १० परीक्षा में सफलता, स्मरण शक्ति-वर्द्धन प्रयोग, ११ रोग, उपद्रव की शान्ति हेतु सप्तशती-प्रयोग, १२ अनावृष्टि-निवारक प्रयोग, १३ सर्व-सिद्धि-प्रद श्रीगणेश-कवच, १४ नव-ग्रह यन्त्र, १५ अभया-अपराजिता, १६ अभीष्ट-फल-दायक सदसदा-शिव-कवच, १७ श्री कार्तवीर्यार्जुन मन्त्र-प्रयोग, १८ सर्वाभीष्ट-पूरक सूर्य-यन्त्र, १९ नेत्र-रोग-नाशक बत्तीसा यन्त्र, २० सर्वारिष्ट - निवारक स्तोत्र, २१ त्रैलोक्य - विजय श्रीनृसिंह कवच, २२ अत्यधिक कष्ट-शान्ति के लिए श्रीवन-दुर्गा मन्त्र - विधान, २३ मनोवाञ्छित वर - प्राप्ति प्रयोग, २४ बन्दी-मोचन-मन्त्र-प्रयोग, २५ सिद्ध भूलिनी दुर्गा-स्तुति, २६ रोग एवं अपमृत्यु-निवारक प्रयोग, २७ सिद्धि - चण्डी महा-विद्या सहस्राक्षर-मन्त्र, २८ श्रीशिव-कवच, २९ क्लीं-वीज का अनुभूत प्रयोग, ३० सिद्ध-लक्ष्मी-प्रार्थना, ३१ श्री कार्तवीर्यार्जुन दर्पण-प्रयोग, ३२ अनुभूत मन्त्र - प्रयोग, ३३ गर्भ धारण-मन्त्र, ३४ जिह्वा-कीलन-प्रयोग, ३५ लक्ष्मी-प्राप्ति का मन्त्र, ३६ भूत-प्रेत - बाधा - निवारक प्रयोग, ३७ युवकों के विवाहार्थ अनुभूत प्रयोग, ३८ कन्याओं के विवाहार्थ अनुभूत प्रयोग, ३९ सर्व -कामना-पूर्ति प्रयोग, ४० ऋण-हर धन-प्रद मङ्गल-स्तोत्र, ४१ ग्रह आदि बाधा, रोग - निवारक प्रयोग ४२ शत्रु - बाधा - निवारक 'दारुण - सप्तक', ४३ श्री गणपति स्तोत्र, ४४ श्रीचण्डिका - हृदय - स्तोत्र, ४५ श्रीशनि - स्तोत्र, ४६ श्रीशनि - भार्या स्तोत्र, ४७ विविध फल - दायिनी श्री चित्रसेन - साधना, ४८ गौ - रक्षक अर्जुन-नामावली, ४९ सर्प-भय-विनाशक नागिनी द्वादश नाम स्तोत्र, ५० श्री हनुमान अष्टादशाक्षर, ५१ श्रीकार्तवीर्यार्जुन - माला - मन्त्र, ५२ ग्रह - बाधा, ज्वर - नाशक विप्रेश - मन्त्र, ५३ गाय, भैंस आदि का दूध बढ़ाना, ५४ सौभाग्य-प्राप्ति, वर-वधू-प्राप्ति प्रयोग, ५५ नेत्र-रक्षा प्रयोग, ५६ शीतला-शान्ति-प्रयोग, ५७ 'ऐं'-कार प्रयोग, ५८ दिव्य मातङ्गी-कवच, ५९ गर्भ-स्तम्भन-मन्त्र, ६० श्रीललिता-महा-लक्ष्म्या-स्तोत्र, ६१ पति-स्तवन, ६२ विरह-ज्वर-विनाशक ब्रह्म - शक्ति - स्तोत्र, ६३ सर्प-भय-नाशक मनसा - स्तोत्र, ६४ दुःस्वप्न - नाशक प्रयोग, ६५ चतुष्षष्टि-योगिनी-नाम-स्तोत्र, ६६ श्रीपर-देवी-सूक्त, ६७ सर्व-कामना-सिद्धि स्तोत्र, ६८ सिद्ध देवी-स्तुति का प्रयोग, ६९ रोग-नाशक प्रयोग, ७० श्रीत्रिपुर - भैरवी कवच, ७१ श्रीधाराही कवच, ७२ श्रीपद्मावती - अष्टक, ७३ श्रीकार्तवीर्यार्जुन यन्त्र-साधना, ७४ गन्धर्व-राज विश्वावसु की पूजा-पद्धति, ७५ पञ्चमुखी हनुमत्-स्तोत्र-विधान, ७६ सरस्वती महा-स्तोत्र, ७७ विपरीत प्रत्यङ्गिरा स्तोत्र-विधान, ७८ श्रीकार्तवीर्यार्जुन (सहस्र-बाहु) स्तोत्र पूजा-विधि, ७९ वैष्णवी अपराजिता, ८० श्री संग्राम - विजया विद्या, ८१ सर्प-भय- निवारण के प्रयोग, ८२ दारिद्र्य-दहन का विधान, ८३ श्रीनायिका-कवचम्, ८४ श्रीसरस्वती द्वादश-नाम-स्तोत्र, ८५ सिद्ध सारस्वत स्तोत्र, ८६ श्रीशिव-शत-नाम, ८७ श्रीविश्वावसु-गन्धर्व-राज कवच-स्तोत्रम्, ८८ लक्ष्मी की कृपा-प्राप्ति का प्रयोग, ८९ 'दुर्गा'-नाम-जप प्रयोग, ९० 'सप्तशती'- प्रयोग, ९१ श्री दुर्गोपनिषत्, ९२ श्रीदुर्गा आसुरी-कल्प, ९३ परशुराम-कृत श्रीदुर्गा-स्तोत्र, ९४ श्री अर्जुन-कृत दुर्गा-स्तवन, ९५ श्रीवाराही मन्त्र-प्रयोग, ९६ श्रीशिव कवच, ९७ सर्व-यन्त्र-मन्त्र-तन्त्रोत्कीलन-स्तोत्र, ९८-१०० सप्तशती-पद्यानुवाद के प्रयोग, १०१ श्रीमहा-विद्या-स्तोत्र-विधान, १०२ श्री महा-विपरीत-प्रत्यंगिरा स्तोत्र, १०३ भूत-शुद्धि की रीतियाँ, १०४ ग्रह, आर्थिक, विवाह - बाधा - निवारण प्रयोग, १०५ श्री महा - विपरीत - प्रत्यंगिरा स्तोत्र (द्वितीय विधान), १०६ विद्या-प्राप्ति-प्रयोग, १०७ वैरि - नाशक हनुमान ग्यारवाँ, १०८ मन्त्र - शक्ति से परोपकार, १०९ श्री शत्रु - विध्वंसिनी - स्तोत्र, ११० रोग - निवारण प्रयोग, १११ श्रीनील - कण्ठ अघोरास्त्र प्रयोग, ११२ भगवती श्री बाला त्रिपुर - सुन्दरी मन्त्र - विधान, ११३ श्री स्वर्णाकर्षण भैरव स्तोत्र, ११४ श्री दारुण सप्तक, ११५ श्री राज - राजेश्वर महा-काल स्तोत्र, ११६ अर्थव- वेदोक्त वल्गा सूक्त ११७ श्रीत्रिशिरा देवी- विधान, ११८ सप्तशती-स्तोत्र का विधान, ११९ 'कात्यायनी' तन्त्र के 'सप्तशती' प्रयोग, १२० शत-बाधा-विनाशक श्रीगायत्री - कवच, १२१ सिद्ध नाम - कीर्त्तन।

स्पष्ट है, कुछ करने की इच्छा रखनेवाले हिन्दू-समाज के लिए यह **एक बहु-उपयोगी संग्रह पहली बार प्रस्तुत हो रहा है।** देश के आस्थावान् बन्धुओं ने इस संग्रह की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और 'चण्डी' मासिक-पत्रिका द्वारा साधन-माला का प्रकाशन आगे करते रहने का बारम्बार आग्रह किया। यही नहीं, बहुत से साधक बन्धुओं ने **कल्याणकारी प्रयोगों का संग्रह** प्रकाशनार्थ हमारे पास भेज दिया

प्राप्ति-स्थान : 'चण्डी' - कार्यालय, अलोपीबाग मार्ग, प्रयाग - २११ ००६

हिन्दू-धर्म के ज्ञान-मय क्रिया-पक्ष की शोध-पूर्ण प्रस्तुति

कल्याण मन्दिर प्रकाशन (सूचीपत्र 1993-94)

अलोप-शङ्करी देवी ४-००

इक्यावन शक्ति-पीठों में से 'श्रीललिता-पीठ'— तीर्थ-राज प्रयाग में स्थित है। हिन्दी में पहले-पहल प्रामाणिक विवेचन इस पुस्तक में प्रकाशित हुआ है।

अघोरी का उपदेश ४-००

महान् साधक वामा क्षेपा के उपदेशों एवं अघोर-साधना से सम्बन्धित।

अध्यात्म-योग ५-००

इस पुस्तक में 'अध्यात्म' जैसे गम्भीर विषय को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है।

अध्यात्म-चर्चा ३-००

आध्यात्मिक ज्ञान के सर्वोपयोगी सिद्धान्तों की सरल व्याख्या।

अक्षय-वट ५-००

प्रयागराज के प्रसिद्ध अक्षय-वट का शोधात्मक वर्णन।

आगमोक्त योग-साधना ४-००

'कुण्डलिनी-योग' पर प्रकाश डालनेवाली स्वामी दिव्यानन्द जी की अनुपम पुस्तक।

आनन्द-लहरी ६-००

श्री शङ्कराचार्य विरचित : हिन्दी टीका सहित

आपदुद्धारक श्रीबटुक-भैरव-स्तोत्र (सविधि) ५-००

भगवान् बटुक-भैरव के स्तोत्र का संग्रह।

उच्छब गीताञ्जलि ३-००

उपदेश-मुक्तावली (भजन-संग्रह) १०-००

क्या 'राम-चरित-मानस' तन्त्र है ? ३०-००

'राम-चरित-मानस' की अनूठी बाह्य-परीक्षा एवं सार-गर्भित अन्तरङ्ग-परीक्षा।

ककारादि-काली-नाम साहस्रं ४-००

कङ्काल-मालिनी तन्त्र ६-००

काली-कल्पतरु ५०-००

भगवती श्रीकाली-तत्त्व, श्रीकाली-महिमा, पूजा-पद्धति,मन्त्र-साधना-विषयक पुस्तक।

कालिका-कवचम् २-००

काली कर्पूर-स्तवः (सविधि) ३-००

काली-तन्त्र (भाषा-टीका) ५-००

काली-नित्यार्चन (पूजा-पद्धति) ८-००

काली सहस्र-नाम स्तोत्र ३-००

काली स्तव मञ्जरी (स्तोत्र-संग्रह) ३५-००

क्रम-दीक्षा-पूर्वक पूर्णाभिषेक ५-००

क्रम-दीक्षा के विविध मन्त्र।

कोकिलार्णव तन्त्र (हिन्दी अर्थ सहित) १०-००

'वासना'-रूपी अर्णव से मुक्ति पाने के लिए शास्त्रों में भिन्न-भिन्न अम्नार्यों का सहारा लेकर विभिन्न आराध्य देवों की उपासना का वर्णन है। इस पुस्तक में आम्नाय- रहस्य के वर्णन के साथ पूर्णाभिषेक-विधि दी गई है।

कौल-विलासः १५-००

कौल-धर्म का माहात्म्य।

कुल-चूड़ामणि तन्त्र (हिन्दी अर्थ सहित) १५-००

गङ्गा-यमुना-सरस्वती पूजा-अङ्क ४-००

गायत्री-कल्पतरु १५-००

गायत्री मन्त्र की व्याख्या एवं स्तोत्र– संग्रह।

गुरु-तन्त्र (हिन्दी टीका सहित) ५-००

गुरु-तत्त्व-दर्शन एवं गुरु-साधना १५-००

चण्डी-पुराण (हिन्दी अर्थ सहित) १५-००

चक्र-पूजा १५-००

चक्रपूजा के स्तोत्र ८-००

चण्डी-चरितावली २-००

चण्डिका-माहात्म्य २-००

तत्त्व-विवेचन ३-००

तन्त्र-कल्पतरु १०-००
तन्त्र-शास्त्र पर प्रकाश डालनेवाले निबन्ध।

तन्त्र-संग्रह, भाग १ १५-००
हिन्दी कामाख्या तन्त्र एवं हिन्दी पुरश्चरण रसोल्लास।

पित- तर्पण-विधि ३-००

तारापुर का महा-मानव २-००

तारा-नित्यार्चन ६-००

तारा स्तव मञ्जरी (स्तोत्र-संग्रह) १५-००

तारा-कल्पतरु १५-००
भ० तारा विषयक निबन्ध-संग्रह।

दीपावली की पूजा-विधि ८-००
'दीपावली' महा-पर्व पर प्रामाणिक पुस्तक।

दीक्षा-प्रकाश २०-००
दीक्षा-विधि सहित दीक्षा के अर्थ, माहात्म्य पर प्रकाश डालनेवाले निबन्धों का संग्रह।

ज्योतिष-कम्प्यूटर २०-००

दोहावली २-००

दुर्गा आरती २-००

दुर्गा सहस्र-नाम साधना ५-००

दुर्गा के सहस्रनाम १०-००
भ० दुर्गा के १००८ नाम-हिन्दी अर्थ सहित।

दुर्गा स्तव मञ्जरी १५-००

दुर्गा सप्तशती (पद्यानुवाद) ८-००
पं० देवीदत्त शुक्ल कृत शब्दशः पद्यानुवाद।

दुर्गायण १५-००
दुर्गा सप्तशती का छन्दानुवाद।

दुर्गा सप्तशती (विशुद्ध संस्करण) ८-००
संस्कृत में शुद्ध दुर्गा सप्तशती षडङ्गनें सहित।

दुर्गा सप्तशती (बीजात्मक) ५-००
बीज-त्र्यात्मक पाठ, 'रहस्य तन्त्र' के अनुसार

दुर्गा-कल्पतरु १५-००
भगवती दुर्गा-सम्बन्धी निबन्ध-संग्रह..।

धर्म-चर्चा १०-००
हिन्दू-धर्म-विषयक सार-गर्भित चर्चा

ध्यान-योग एवं विचार-योग ४-००

धन-प्राप्ति के प्रयोग ६-००

नवरात्र-कल्पतरु ३०-००
नवरात्र की प्राचीनता, माहात्म्य एवं विधान पर प्रकाश डालनेवाले निबन्धों का संग्रह।

नवरात्र पूजा-पद्धति (वैदिक) ३-००

नवरात्र पूजा-पद्धति (पौराणिक) ५-००

निर्वाण तन्त्र ८-००

निरुत्तर तन्त्र ६-००

निष्काम-योग एवं कर्म-संन्यास योग ८-००

परशुराम तन्त्र ३-००

पूजा-रहस्य १५-००
हिन्दुओं की पूजा का सार-गर्भित विवेचन।

प्राण-तोषिणी तन्त्रं, ३५-००
(भाग १ : सर्ग-काण्ड, धर्म-काण्ड)

प्राण-तोषिणी तन्त्रं, ३५-००
(भाग २ : अर्थ-काण्ड, काम्य-काण्ड)

प्राण-तोषिणी तन्त्रं २०-००
(भाग ३ : भक्ति-काण्ड)

पारायण-विधि ३-००

पञ्च-मकार तथा भाव-त्रय १५-००

बाला-खड्ग-माला ८-००

बाला-कल्पतरु १५-००
भ० बाला के स्वरूप एवं साधना-क्रम का विवेचन।

बाबाश्री चरितामृत ३०-००
योगिराज गुप्तावतार प० पू० बाबा मोतीलाल जी मेहता का जीवन-चरित, 'चण्डी' मासिक पत्रिका में १९४२ ई० से प्रकाशित उनकी रचनाओं का संग्रह तथा उनके ब्रह्म-लीन होने पर उनके प्रति श्रद्धालुओं की प्रेरणा-दायक श्रद्धांजलियाँ।

पुस्तक प्राप्ति-स्थान : 'चण्डी' - कार्यालय, अलोपीबाग मार्ग, प्रयाग - २११ ००६

बिहार में शक्ति-साधना १०-००

'बिहार में शक्ति-साधना' बिहार की तन्त्र-साधना से सम्बन्धित पुस्तक है।... इस पुस्तक में राजा निमि, जनक, याज्ञवल्क्य, मैत्रेयी, गार्गी, सीता से लेकर जैन-धर्म एवं बौद्ध-धर्म की शक्ति-साधना पर विचार हुआ है। शङ्कराचार्य और कुमारिल भट्ट, शङ्कराचार्य एवं मण्डन मिश्र, भगवती शारदा और महाराजाधिराज रमेश्वर सिंह, गंधवार नरेश, पू० माई जी, प्रकाशानन्द जी, शैलजानन्द जी, पूर्णानन्द जी, मुनीन्द्रनाथ जी, मदन उपाध्याय, श्री योगेशानन्द, आनन्द बाबा, दिनमणि झा, श्रीधर ओझा, वासुदेव झा और श्यामानन्दनाथ जैसे बिहार के शक्तिसाधकों पर प्रामाणिक सामग्री

बिहार के देवी-मन्दिर ६-००

भक्ति-योग ४-००

भगवती गीता १०-००

भगवती मानस-पूजा स्तोत्र ४-००

शङ्कराचार्य-विरचित स्तोत्र-हिन्दी अर्थ सहित।

भुवनेश्वरी-रहस्य ३५-००

हिन्दी अर्थ सहित।

भुवनेश्वरी स्तव मञ्जरी १५-००

भैरवी-चक्र-पूजन ४-००

भागवत धर्म का प्राचीन इतिहास १०-००

मन्त्र-कल्पतरु १५-००

मन्त्र-शास्त्र विषयक निबन्ध-संग्रह।

मन्त्र-सिद्धि का उपाय ५-००

मन्त्र-कोष ६५-००, सजिल्द ७५-००

भ० गणेश, सूर्य, विष्णु, शिव, शक्ति (पञ्च-देव) और उनके अवतारों अङ्ग-देवताओं तथा काली, तारा, षोडशी आदि दश महा-विद्याओं के मन्त्रों का अपूर्व संग्रह। बीज-कोष, अङ्क-कोष, सङ्केत-कोष।

हिन्दी में अभूतपूर्व शोध-ग्रन्थ।

मन्त्रात्मक सप्तशती (सजिल्द) १००-००

'सप्तशती' के ७०० मन्त्रों के गुप्त विधान।

महा-चीनाचार-सार तन्त्र ५-००

मानस पूजन २-००

'कौल-कल्पतरु' शुक्ल विरचित : पद्यात्मक।

मुद्राएँ एवं उपचार (सचित्र) १५-००

हिन्दुओं की पूजा में प्रयुक्त होनेवाली मुद्राओं एवं पूजोपचार का प्रामाणिक वर्णन।

मुमुक्षु मार्ग १५-००

मन्त्र-शास्त्र-विषयक रहस्योद्घाटन—'मन्त्र' का अर्थ, ॐ का अर्थ, 'राम' का अर्थ, भ० कृष्ण के मन्त्र का अर्थ, गायत्री का अर्थ, नवार्ण मन्त्र का अर्थ, मृत्युञ्जय मन्त्र व 'क्लीं' बीज का अर्थ, कुण्डलिनी-रहस्य, योग-रहस्य आदि महत्त्व-पूर्ण विषयों की जानकारी हेतु उत्तम ग्रन्थ।

महा-शक्ति पीठ विन्ध्याचल १५-००

प्रामाणिक माहात्म्य एवं पूजा-विधि सहित

मन्त्र-योग ५-००

राज-योग ४-००

लघु चण्डी ५-००

महर्षि वेद-व्यास कृत श्रीदुर्गा सप्तशती।

ललिता पीठ-प्रयाग ४-००

लेख-संग्रह-स्वामी दिव्यानन्द जी ४-००

वन्दे मातरम् ५-००

महा-मन्त्र 'वन्दे मातरम्' की महिमा, परम्परा एवं साधना।

वगला नित्यार्चन ५-००

वगला सहस्र-नाम साधना २-००

वांछा-कल्प-लता (सविधि) ६-००

वाम-मार्ग १५-००

'तन्त्र-शास्त्र' के गौरव एवं तान्त्रिक साधना-क्रम का प्रामाणिक विवेचन।

विशुद्ध चण्डी ८-००

श्री दुर्गा सप्तशती का शुद्ध संस्करण।

विज्ञान-योग ५-००

शक्ति-संगम-तन्त्र (सुन्दरी-खण्ड) यन्त्रस्थ

शक्ति-संगम-तन्त्र (काली-खण्ड) ३५-००

शक्ति-तत्त्व १५-००

'शक्ति' के दार्शनिक तत्त्व-सम्बन्धी निबन्धों का संग्रह।

शक्ति-पीठ काशी ८-००
काशी (वाराणसी) की गौरव-मयी परम्परा का परिचय। काशी के तान्त्रिक आचार्यों, सन्तों का परिचय एवं 'पञ्चक्रोशी' यात्रा, 'देवी-पीठ-यात्रा', 'भैरव-यात्रा'का वर्णन।

शाबर मन्त्र संग्रह (चार भाग) ६५-००
शाबर मन्त्रों का विधि सहित वर्णन

शाक्त धर्म क्या है ? १५-००
शाक्त-धर्म की प्राचीनता, शाक्त-धर्म की महत्ता, शाक्त-धर्म का सन्देश और शाक्त-धर्म की स्वाभाविक विशेषताओं पर प्रकाश डालनेवाला निबन्ध-संग्रह।

शाक्त-धर्म विशेषाङ्क ५०-००
हिन्दी भाषा में शाक्त-धर्म सम्बन्धी निबन्ध-संग्रह एवं **दश-महाविद्या तन्त्र** (यन्त्रों के चित्र-सहित)।

श्रीचक्र-रहस्य (सचित्र) १५-००
यह पुस्तक विश्व-विख्यात श्रीचक्र (श्रीयन्त्र) के रहस्य को सरल हिन्दी भाषा में प्रस्तुत करती है।

श्री ललिता सहस्र-नाम १०-००
'साधना-क्रम' सहित मूल-पाठ।

श्रीललिता त्रि-शती २०-००
साधना-क्रम, व्याख्या सहित मूल-पाठ।

श्री श्रीविद्या नित्यार्चन १५-००

श्री श्रीविद्या स्तव मंजरी (स्तोत्र-संग्रह) २५-००

श्री त्रिपुरा महोपनिषद् ५-००
हिन्दी टीका सहित।

सन्तान-सुख-प्राप्ति के प्रयोग ३-००

सप्तशती-रहस्य ५-००
सप्तशती-पाठ, पुरश्चरण, मन्त्र-प्रयोग, प्रश्न-विचार।

सप्तशती-तत्त्व १०-००
सप्तशती की अपूर्व दार्शनिक व्याख्या।

सप्तशती के विविध प्रकार १०-००
सप्त-श्लोकी दुर्गा, त्रयोदश-श्लोकी चण्डी, गुप्त सप्तशती, गर्भ-चण्डी एवं बटुक भैरव स्तोत्र घटित चण्डी-पाठ।

सम्पादक के संस्मरण ५०-००
'सरस्वती' के सम्पादक शुक्ल जी के सम्बन्ध में अभूतपूर्व ग्रन्थ।

सविधि सप्त-श्लोकी दुर्गा २-००
सप्त-श्लोकी दुर्गा-पाठ का शुद्ध संस्करण।

सविधि श्री विद्या-खड्ग-माला १५-००

सविधि श्रीललिता सहस्रनाम ५०-००
भगवती ललिता के १००८ नामों की टीका—व्याख्या सहित।

सविधि श्रीकुण्डलिनी-साधना १५-००

सविधि श्रीरुद्र-चण्डी ६-००
रुद्रयामल तन्त्र का चमत्कारी सप्तशती-पाठ।

साधना और आम्नाय ८-००

सांख्यायन तन्त्र (हिन्दी सारांश सहित) २५-००
भ० बगला के साधकों के लिए उपयोगी।

साधना-रहस्य २५-००
हिन्दू-धर्म के 'साधना-क्रम' को स्पष्ट रूप से जानने के लिए एक आवश्यक पुस्तक।

सार्थ चण्डी (श्रीदुर्गा सप्तशती) ७५-००
प्राचीन संस्कृत टीकाओं के आधार पर सप्तशती की विस्तृत व्याख्या।

स्वर-विज्ञान १५-००
ज्योतिष-तन्त्र-योग की त्रिवेणी।

हठ-योग ४-००

हिन्दी कामाख्या तन्त्र एवं पुरश्चरण-रसोल्लास १५-००

हिन्दी कुलार्णव तन्त्र २५-००

हिन्दी तन्त्रसार तान्त्रिक वाङ्मय की महत्वपूर्ण कृति

हिन्दी प्राण-तोषिणी तन्त्र, भाग १ १५-००

हिन्दी प्राण-तोषिणी तन्त्र, भाग २ २०-००

हिन्दी प्राण-तोषिणी तन्त्र, भाग ३ १५-००

हिन्दी महा-निर्वाण तन्त्र ३०-००

हिन्दुओं की पोथी यन्त्रस्थ

Agamokta Yoga Sadhana 3-00

Wine to Women 2-00

पुस्तक प्राप्ति-स्थान : 'चण्डी' - कार्यालय, अलोपीबाग मार्ग, प्रयाग - २११ ००६

है, जिससे इसका प्रकाशन 'चण्डी' मासिक पत्रिका के प्रत्येक अङ्क द्वारा नियमित रूप से हो सके। हमारे शोध-विभाग ने भी इस ओर विशेष प्रयत्न करने का सङ्कल्प ले लिया है।

आवश्यकता है कि अधिक-से-अधिक बन्धु इन प्रयोगों का अध्ययन कर, इनसे प्रेरणा प्राप्त कर कुछ करें और ऋषियों द्वारा प्रदत्त अमूल्य **'साधना'**-जन्य अनुभवों से समृद्ध होवें।

'चण्डी' अप्रैल, ६२ से प्रत्येक हिन्दू-परिवार के लिए जहाँ कुछ करने के उद्देश्य से **साधन-माला** नामक स्तम्भ के अन्तर्गत बहु-उपयोगी उक्त **'प्रयोग'**-साहित्य प्रकाशित हो रहा है, वहीं पूरे परिवार के लिए पढ़ने और समझने के लिए निबन्ध, कविताएँ, कहानियाँ एवं धार्मिक जगत् के समाचार भी प्रकाशित हो रहे हैं। विस्तृत जानकारी हेतु 'चण्डी' अप्रैल, ६२ से सितम्बर, ६३ तक के १८ अङ्कों में प्रकाशित विषयों की सूची यहाँ दी जा रही है। यथा---

श्रीब्रह्म गीता। भगवान् का रहस्य। श्रीराम-गीता। हिन्दुओं की मूर्ति-पूजा। प्रतिमा-मूर्ति के दर्शन से लाभ। श्रीप्रभु। श्री काल्यै नमः (कविता)। राष्ट्र-गुरु प० पू० स्वामी जी महाराज दतिया की उद्‌बोधक टिप्पणी, पावन संस्मरण एवं उल्लेखनीय प्रसङ्ग। आर्यों का मूल स्थान 'भारत'। स्वामी जी और चमत्कार। वन-खण्डेश्वर के शिव-मन्दिर की प्राचीनता। 'स्त्री' -- हिन्दू-मात्र द्वारा पूज्य। श्री स्वामी जी का शिशु एवं समाज-प्रेम। ब्रह्म और माया। सदुपदेश सुधा - पवित्र आत्मा। महा -मन्त्र गायत्री। भारत का आदर्श। स्वर - योग। श्री छाया - पीठ का महोत्सव। उ० प्र० का श्रीज्वाला - देवी मन्दिर। श्री दुर्गा-पीठ की महिमा। 'मोक्ष' का राज-मार्ग 'योग'। 'धर्म' के आचरण का समय। व्रत, हिन्दू और सेवा-सङ्गठन। षड्-रिपु। श्रीगुरु-महिमा। कर्म-योग। देवी भ्रमर-वासिनी। 'देवी-कवच' के चमत्कार। मानव-शरीर की पाँच अवस्थाएँ। कालिदास और घटकर्पर-- एक रोचक प्रसङ्ग। तुझे देख माँ कालिके ! (कविता)। 'सनातन-धर्म' की व्यापकता। माँ भद्र-काली प्रतिष्ठान, इटखोरी। देव, ऋषि, दिव्य पितृ, यम एवं स्व-पितृ-तर्पण। महा-कालिके काल-द्रष्टा कराली (कविता)। आओ, दृढ़ सङ्कल्प करें !। माता दुर्गा की उपासना। परा-शक्ति। श्रीतारा-वन्दना। श्रीचामुण्डा नन्दिकेश्वर मन्दिर। 'सप्तशती' के सम्बन्ध में। 'राम-कहानी' (नाटक)। भगवती की उपासना। 'सिद्ध-पीठ'रज - रप्पा (कविता)। छिन्न - मस्ता माँ के विलक्षण स्वरूप का मनन। श्रीछिन्न - मस्ता पीठ : 'रज - रप्पा' का परिचय। 'रज - रप्पा'-- मेरे संस्मरण। दश-महा-विद्याओं की उत्पत्ति। दश-महा-विद्या रहस्य। दश-महा-विद्या जयन्ती। दश-महा-विद्या की आराधना। सच्चिदानन्द और माया। सनातन-धर्म-रूपी 'सूर्य' और 'किरण' - रूपी अन्य मत। 'साधना '- सम्बन्धी कुछ आवश्यक ज्ञातव्य। प्रातः - कृत्य की सरल विधि। 'प्रणाम'- योग। दश-महा-विद्याओं की पूजा। तान्त्रिक-पूजा के सङ्केतों के अर्थ। इष्ट-देवता की प्रार्थना-विधि। महा-शक्ति कुण्डलिनी की साधना-विधि। इष्ट-देवता-गायत्री 'जप' - विधि। प्राण-यज्ञ-विधि। चतुर्थ्यन्त अष्टोत्तर-शत-छिन्न-मस्ता-नामावली। दश महा - विद्या 'ध्यान' एवं रोग - मुक्ति। गङ्गा - महिमा। 'कादम्बिनी' के 'दीपावली-विशेषाङ्क' की समीक्षा। परोपकार की भावना और 'साधन-माला'। 'रज-रप्पा तीर्थ' -- एक रिपोर्ट व सम्पूर्ण। अघोरेश्वर अवधूत भगवान् राम। वेद - वर्णित महा - सरस्वती - तत्व का रहस्य। महा-शिव-रात्रि। भारत के द्वादश ज्योतिर्लिङ्ग। तारा - साधना (कविता)। पञ्चाग्नि - तपस्या। अनूठे विक्रम सम्वत् का ५२ वाँ वर्ष। 'व्यय' सम्वत्सर का फल। उ० प्र० के देवी-मन्दिर। चैत्र-मास के देवी व्रत। दुर्गा-भक्त सन्त। मन्त्र - योग का रहस्य। तारा : एक साधना (कविता)। सदाचार। धर्म और हमारी समस्याएँ। गढ़वाल का सिद्ध-पीठः श्रीकाली-क्षेत्र। साधक की साधना का फल। 'योग'-सिद्धि। 'कादम्बिनी' के विशेषाङ्क : मन्त्र-शक्ति के चमत्कार और 'मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र-विज्ञान' पत्रिका द्वारा मन्त्र-शास्त्र की भ्रामक प्रस्तुति। अध्यात्म-परम्परा-सम्बन्धी एक दुर्लभ पाण्डुलिपि। 'वन्देमातरम्' राष्ट्र-गीत पर विवाद क्यों ?।

उपर्युक्त विवरण से यह भली-भाँति ज्ञात हो जाता है कि सरल एवं सुबोध राष्ट्र-भाषा में प्रत्येक हिन्दू-परिवार के लिए पठनीय एवं संग्रहणीय साहित्य 'चण्डी' मासिक पत्रिका द्वारा प्रस्तुत हो रहा है।

'चण्डी' मासिक पत्रिका की यही विशेषता भी है कि यदि आप इसे ध्यान से पढ़ने की कृपा करेंगे, तो आपको **हिन्दू-धर्म के 'व्यावहारिक पक्ष'** को समझने में बड़ी सरलता होगी। 'हिन्दू-धर्म' केवल एक सिद्धान्त या दर्शन मात्र नहीं है। उसका ज्ञान-मय क्रियात्मक पक्ष भी है और वही वास्तविक महत्त्ववाला है।

अतः निवेदन है कि **'चण्डी' मासिक मत्रिका** का सदस्य आज ही बनें और अपने परिचितों को भी सदस्य बनाने की कृपा करें, जिससे कल्याणकारी आध्यात्मिक साधनाओं का व्यापक प्रचार एवं प्रसार होकर सम्पूर्ण समाज लाभान्वित हो सके।

सदस्यता-शुल्क

'चण्डी' अप्रैल ६२ से मार्च ६४--- कुल २४ माह के लिए **सदस्यता-शुल्क १२०-०० रु०** है। मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट द्वारा १२०-०० रु० भेजने पर कार्यालय द्वारा आपकी सेवा में अप्रैल ६२ से प्रकाशित सभी अङ्क रजिस्ट्री द्वारा भेज दिए जाएँगे। शेष अङ्क साधारण डाक से मार्च ६४ तक जाएँगे। कुल २४ अङ्क प्राप्त होंगे। 'बैंक ड्राफ्ट' कृपया **'कौल-कल्पतरु चण्डी' इलाहाबाद** के नाम से बनवाएँ।

मनीआर्डर भेजने का पता :

चण्डी-कार्यालय, अलोपीदेवी मार्ग, प्रयागराज (उ० प्र०)- २११ ००६

रजि० संख्या
32981/57

श्रावण, २०५० वि० - अगस्त, १९९३

रजि० संख्या
AD~96

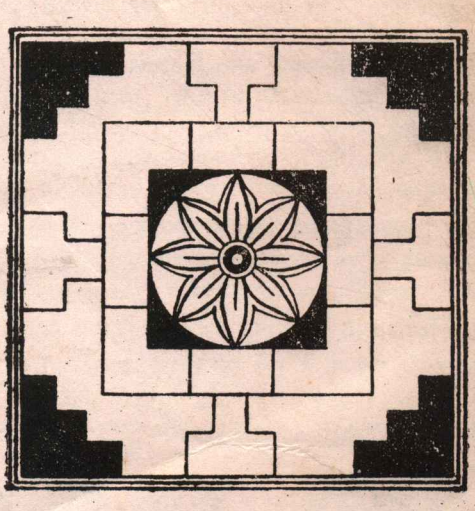

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक : ऋतशील शर्मा
चण्डी - कार्यालय, परावाणी प्रेस, प्रयाग २११००६